वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 194 | शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पद्मश्री लक्ष्मण सिंह को मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर ने किया सम्मानित

अपनी कला यात्रा से कला संकाय के छात्रों और संकाय सदस्यों को करवाया रूबरू

जयपुर. कासं। पद्मश्री से सम्मानित लक्ष्मण सिंह को 8 नवंबर को मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के प्रो-प्रेसिडेंट कमोडोर (डॉ.) जवाहर एम जांगीर और रजिस्ट्रार डॉ नीतू भटनागर की उपस्थिति में प्रेसिडेंट डॉ. जी. के. प्रभु की ओर से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान कला संकाय के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। साथ ही ग्रामीण समुदायों के लिए जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणालियों के निर्माण के अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम का आयोजन डीन कला संकाय प्रो कोमल औदिच्य के नेतृत्व में किया गया।

वार्षिकोत्सव में स्टूडेंट्स ने दिया 'ट्रिपल आर' का संदेश

झिलमिलाती पोशाक में खुशनुमा बनाया मंच, क्लाइमेट चेंज थीम पर दी प्रस्तुतियां

जयपुर. कासं

प्राकृतिक दृश्यों से सजा रंगमंच, झिलमिलाती पोशाकों में बच्चे, वातावरण को खुशनुमा बनाता संगीत। अवसर था श्याम नगर स्थित माय ओन स्कूल के वार्षिकोत्सव का। विद्यालय का वार्षिकोत्सव गुरुवार को रवीन्द्र मंच पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसकी थीम 'क्लाइमेट चेंज' थी, जिसके तहत 'ट्रिपल आर' का संदेश दिया था। इसमें रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल जैसे विषय शामिल रहे। इसमें लगभग 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामबाग होटल के जीएम अशोक सिंह राठौड़ थे। वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती क्लाइमेट चेंज को अपनी कहानी का आधार बनाते हुए कार्यक्रम के प्रमुख पात्र 'जादू' ने अपने मित्रों के साथ अद्भुत नृत्यों की प्रस्तुति दी, जिससे सभी दर्शकगण सम्मोहित हो गए। 'अर्थ सॉन्ग', 'जादू', 'इट्स मैजिक', 'भरे नैना', 'हमको है जगना', 'रक्त चरित', 'शाम शानदार', बरसो रे मेघा-मेघा', 'शुभ दिन आयो रे' जैसी नृत्य प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थियों ने दर्शकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक किया। पर्यावरण को शुद्ध बनाने और संरक्षित रखने के साथ-साथ प्रतिवर्ष दो पेड़ लगाने की प्रतिज्ञा भी दिलवाई। विद्यालय के प्रिंसिपल भूपेन्द्र सिंह राजावत ने स्कूल की शैक्षणिक और खेल गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था की सचिव टी. सिंह और वाइस प्रिंसिपल मेघना राठौड़ के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

बच्चों संग छुड़ाए पटाखे, गिफ्ट देकर बांटी खुशियां

मान द वैल्यू फाउंडेशन का दिवाली सेलिब्रेशन, सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स के बीच बिताया वक्त

जयपुर. कासं

मान द वैल्यू फाउंडेशन की टीम ने दीपावली की खुशियां सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ मनाई। बच्चों को फूड पैकेट्स, मिठाई, चॉकलेट्स वितरित की गई और आतिशबाजी के साथ ढेर सारा प्यार और खुशियां बांटी गईं। मान द वैल्यू फाउंडेशन की संरक्षिका मनीषा सिंह ने बताया कि हर कोई दिवाली के त्योहार की खुशियां मना रहा है। दीपावली यानी दीपों का त्योहार, खुशियों का त्योहार, इसे हर कोई बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाता है। इस चकाचौंध और व्यस्त भरी दुनिया में सब अपने आप में व्यस्त हैं, लेकिन इस समाज में एक तबका ऐसा भी है, जो इन खुशियों से महरूम रहता है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम हमारे आस-पास खुशियां और रोशनी बिखेरें।

इन चेहरों को मुस्कान देने के लिए मान द वैल्यू फाउंडेशन ने हर बार की तरह इस बार भी दीपावली पर खुशियों के दीप जलाए और बड़े ही हर्षोल्लास के साथ त्योहार मनाया। मनीषा ने बताया फाउंडेशन कि मान फाउंडेशन ने राया फाउंडेशन के साथ मिलकर जरूरतमंद बच्चों को फूड पैकेट्स, पटाखे, मिठाई और सामान उपहार स्वरूप दिए। मनीषा ने बताया कि ये सभी जगतपुरा के आसपास के बस्तियों रहने वाले महात्मा गांधी सरकारी स्कूल, जगतपुरा के बच्चे हैं। फाउंडेशन पीछे कई सालों से इस स्कूल के बच्चों के लिए काम कर रहा है, हर साल स्टेशनरी, बुक्स, बैग सहित आवश्यक अध्ययन की सामग्री भी समय समय पर स्कूल में आपसी सहयोग से उपलब्ध कराई जाती है। इस बार दिवाली पर 150 बच्चों को उपहार देने का लक्ष्य रखा है। मनीषा ने बताया कि इस आयोजन में कशिश लालवानी, अलका गौड़, देवयानी शर्मा, वृंदा राठौर, डॉ लविश, वंशिका सिंह, यशिका शर्मा, शुभ, नैतिक, अरुण जी का सहयोग रहा है।

क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए हम हमेशा तैयार है: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जजपाल सिंह जज्जी के समर्थन में राजपुर में विशाल सभा। कोरोना काल में जो सेवा जज्जी ने की उसे क्षेत्र वासी कभी भूलेंगे नहीं : विजय धुर्रा

सपने देखने का हक सभी को है सपनों को साकार करना हमारा कर्तव्य है और हम आपके सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास रत है सपना देखना जनता का हक है और उस सपने को संकल्प में परिवर्तित करने की जिम्मेदारी हम जन प्रतिनिधियों की है उस संकल्प को सिद्धि तक ले जाना हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिखाया है जिस हम अपना धर्म वनाया ये वात केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजपुर में जज पाल सिंह जज्जी भइया के समर्थन में विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। जज्जी भइया के काम सभी को याद है, इसके पहले पूर्व सांसद प्रतिनिधि विजय धुर्रा ने कहा कि हमारे लोक प्रिय विधायक जजपाल सिंह जज्जी भइया अस्वस्थ के कारण हमारे बीच नहीं है जज्जी ने जो सेवा कोरोना काल में की उसको कभी भुलाया नहीं जा सकता । जब लोग अपने परिवार और माता पिता की सेवा करने से डर रहे थे दहशत भी ऐसी थी कि सभी डरे हुए थे तब विधायक जज्जी के जज्बे को सभी ने देखा है आज अवसर है कि उस उपकार हो हम पूरा करें जन प्रतिनिधि क्या चाहते हैं आपका समर्थन जो हमें तन मन धन के साथ करना है इसके पहले हरिओम नायक नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया सहित अन्य प्रमुख जनो ने सभा को सम्बोधित किया राजपुर प्रभारी संजीव भारिल्ल डॉ दगदीश अमित जैन सहित अन्य जनों ने स्वागत किया सभा का संचालन जिला महामंत्री सचिन चौधरी ने किया।

जैन समाज की मांग पर दयोदय एक्सप्रेस ट्रेन हमने दी: सिंधिया

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए मैं हमेशा तैयार रहता हूं, आपने जवलपुर से जयपुर को जोड़ने वाले दयोदय एक्सप्रेस ट्रेन की मांग को हमने पूरा किया। जैन समाज की मांग पर इसका नाम दयोदय एक्सप्रेस रखा गया। अंचल में विकास चाहे सड़कों की वात हो हमने सभी के साथ जैन समाज की मांग पर मध्यभारत के सबसे बड़े तीर्थ थूवोनजी की सड़क का दोहरी करड़ करके आवागमन को सुविधा जनक वनाया विधुतिकरण हो शुद्ध जल केलिए पूरे अंचल में नल जल

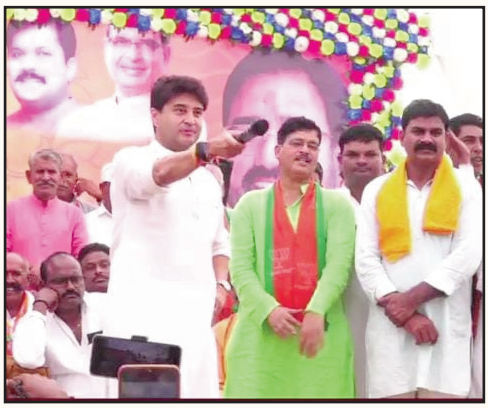

योजना के तहत नवीन पानी की टंकियां का निर्माण चल रहा है आप अपने प्रतिनिधि के रूप में जज्जी को चुनें अपने जो भी मांग रखी है उनको पूरा करने की जिम्मेदारी हम लेते हैं।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

कागज का नहीं धर्म का धन कमाओ

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में चातुर्मास रत गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा का क्रम बना आ रहा है। शांतिप्रभु के चरणों में शांतिविधान करने का अवसर सुनील जैन मालपुरा वालों ने प्राप्त किया। मंडल पर बड़े ही भक्तिभावों से 120 अर्घ्य चढ़ाये गये। गुरु माँ ने सभी को संबोधन देते हुए कहा कि - आज वर्तमान समय की परिस्थितियां इतनी विकट हो गई है कोई भी प्राणी सुखी नहीं है। सभी अपने स्वार्थ को सिद्ध करने में लगे हुए हैं। रिश्तों में दरारें आ रही है जिसका मुख्य कारण है - धन। आज धन को देखकर ही लोगों के मनोभावों में परिवर्तन आ जाता हैं। धन के लिए भाई-भाई की हत्या तक कर देते हैं। जितना व्यक्ति धनी हो रहा है उतना उसकी महत्वाकांक्षा बढ़ रही है जिससे धर्म तो अंश मात्र भी नहीं बचता है । सभी ब्लैक मनी का संग्रहण कर रहे हैं। उस धन का प्रयोग यदि देव - शास्त्र - गुरू की सेवा में लगा दिया जाये तो वह ब्लैक मनी - व्हाइट मनी में बदल जायेगी। इसके लिए आप अपनी शक्ति अनुसार मंदिर, मूर्ति, आहार आदि के लिए दान देकर इस नश्वर धन का उपयोग करें धन के पीछे आज हम रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं। ये कागज के टुकड़े वाला धन जिसे आज प्रत्येक व्यक्ति पाना चाहता है वह साथ नहीं जाने वाला। जो धर्म रुपी सच्चा धन है उसे कमाने का पुरुषार्थ करो जो भव भव में साथ जाने वाला है। उसे कोई कमाना नहीं चाहता।

सांगानेर बार एसोसिएशन का दीपावली पर रजतोत्सव

वकीलों को मिलेगा सस्ता इलाज। इटर्नरल अस्पताल के साथ हुआ एमओयू। सांगानेर बार के वकीलों को मिलें चांदी के सिक्के व उपहार। दीपावली पर सांगानेर कोर्ट में वकीलो ने किया दीपदान। वेलफेयर फण्ड में छोटी छोटी बचत से कोष पहुंचा 50 लाख पार

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर न्यायालय परिसर आज संध्याकाल में दीपको की रोशनी से जगमग हो गया। सांगानेर न्यायालय परिसर में दी बार एसोसिएशन सांगानेर की ओर से रजत उत्सव मनाया गया। जिसमे वेलफेयर फण्ड के सदस्यो को दीपावली पर चांदी के सिक्के (बिस्किट) व उपहार वितरित किये गये। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने बताया कि धनतेरस के पूर्व दिवस को रजतोत्सव के रूप में मनाया जाकर सदस्य वकीलों को चांदी के सिक्के (बिस्किट) व उपहार वितरित किये गये। ऐसा करने वाली सांगानेर संभवत प्रदेश की पहली बार है। बार एसोसिएशन के सदस्यों व उनके परिजनों को इटर्नरल अस्पताल में रियायती दर पर इलाज मिलेगा जो कि ओपीडी, आईपीडी व जांचों में भी लागू होगा। बार एसोसिएशन व इटर्नरल अस्पताल के बीच इस बाबत एमओयू हुआ है। बार एसोसिएशन द्वारा मनाये गए उत्सव में न्यायालय परिसर में वकीलों अपने घर से पांच पांच दीपक लेकर आये और रंगोली सजाकर दीप दान किए एवं मिठाई वितरण कर दीपावली की बधाई दी। सांगानेर बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ताओ का मानना है कि सांगानेर बार अपने सामाजिक सरोकारों के तहत वकीलों का सामाजिक व आर्थिक विकास के साथ समन्वय व सदभाव के लिए भी कार्य कर रही है। सांगानेर बार के कोषाध्यक्ष संजय खींची ने बताया कि सांगानेर बार एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी छोटी छोटी बचत से अपना फण्ड बनाया है जो अब करीब 50 लाख रुपये से अधिक हो गया है। बार द्वारा पूर्व में भी अधिवक्ता जीवन साथी सम्बल योजना व अधिवक्ता कन्या समृध्दि योजना भी शुरू की गई है। बार एसोसिएशन द्वारा पूर्व में कोरोना संक्रमण के समय भी अधिवक्ताओ के लिए कोरोना फण्ड बनाकर अधिवक्ताओ की अविलंब सहायता की थी।

गोठी स्कूल में जूडो प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्यावर के विद्यालय प्रांगण में लड़कियों के लिए जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा उप प्राचार्य श्रीमती सुनीता चौधरी ने विधिवत रूप से प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता शारीरिक शिक्षक गोतम चौहान के निर्देशन में हुई।उन्होंने बताया की इस प्रतियोगिता में लगभग 80 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमे लड़कियों ने विभिन्न भार वर्ग में भाग लेते हुए अपनी प्रतिद्वंदियों को पटकनी देते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्राचार्य ने परिणाम जारी करते हुए बताया की जूनियर में 36 किलो वेट में भूमिका चौहान प्रथम पारी जैन द्वितीय, 40किलो वेट में हितिका जैन प्रथम यागया गहलोत द्वितीय, 44 किलो वेट में नित्या तंवर प्रथम, तोयाशी द्वितीय, 48 किलो वेट में अनिका चौहान प्रथम, स्वस्तिका खंडेलवाल द्वितीय, 52 किलो वेट में कृतिका चौहान प्रथम, सिद्धि शेखावत द्वितीय और 55 किलो और ओवर वेट में निकुंज गहलोत प्रथम दिशा गर्ग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में 36किलो वेट में सोनाक्षी तिवारी प्रथम, विधि राठौर द्वितीय, 42किलो वेट में पायल चौहान प्रथम, कशिश चांदनी द्वितीय, 45 किलो वेट में मानवी तिवारी प्रथम, अर्पिता मंगरोला द्वितीय 48 किलो वेट में दीपिका कुमावत प्रथम, मातंगी शर्मा द्वितीय, 52 किलो वेट में लक्षिता कुमावत प्रथम, तनवी अग्रवाल द्वितीय, 56 किलो वेट में अक्षिता मंगरोला प्रथम, माही गर्ग द्वितीय, 60 किलो वेट में मनीषा सोनी प्रथम, मोनिका द्वितीय और 60 किलो प्लस वेट में कनिष्का यादव प्रथम, लक्षिता चौहान द्वितीय स्थान पर रहे।

वेद ज्ञान

अहिंसा है भारत का धर्म

भारत धर्मपरायण देश है। यहां की मिट्टी के कण-कण में धर्म समाया हुआ है, लेकिन कौन-सा धर्म है वह? यह वह धर्म नहीं है, जो निर्दोष व्यक्तियों के प्राण लेता है। यह वह धर्म नहीं है, जो निरपराध व्यक्तियों के साथ अमानुषिक व्यवहार करता है। भारत का यह धर्म किसी को कष्ट देने वाला, किसी का शोषण करने वाला और किसी पर जबरन शासन करने वाला धर्म नहीं है। इस धर्म का पालन करते हुए न जाने कितने व्यक्ति ऐसे हुए हैं, जिन्होंने दूसरे व्यक्तियों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। यही सच्चा धर्म है। यह इंसान को इंसान से जोड़ना सिखाता है, न कि तोड़ना। अहिंसा यही सिखाती है। जो अहिंसा के रास्ते से भटक गए हैं और जिनका मूलाधार क्षमा से विमुख हो गया है वे ही लोग आज दुनिया के सामने बड़ा संकट बनकर उपस्थित हो रहे हैं। इस संकट को दूर करने का एक ही रास्ता है- अहिंसा पर आस्था रखना, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अहिंसा का पालन करना और 'पर' यानी दूसरे को आत्मवत मानकर उसकी उसी तत्परता से रक्षा करना, जितनी हम अपनी करते हैं। मनुष्य के जीवित रहने के लिए जितनी प्राण-वायु आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक उसके जीवन के लिए अहिंसा है। वस्तुतः अहिंसा मानव-जीवन का अधिष्ठान है। जिसके जीवन में अहिंसा नहीं, वह जीवन एक प्रकार से निरर्थक है। अहिंसा से सामान्यतः माना जाता है किसी जीव की हत्या न करना। अहिंसा में यह तो निहित है ही, किंतु उसका अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। जीवन की कोई प्रवृत्ति ऐसी नहीं है, जिसमें अहिंसा का स्थान न हो। हमारे यहां अहिंसा और हिंसा का बहुत गहरा अर्थ किया गया है, किसी की भावना को आहत करना भी हिंसा माना गया है। हम अनावश्यक बोलते हैं तो उसमें हिंसा है। वस्तुतः सामर्थ्य होने पर व्यक्ति दूसरे को सताए नहीं, इसमें अहिंसा निहित है। अहिंसा के लिए व्यक्ति का क्षमाशील होना अत्यंत आवश्यक है। हम प्रायः अपराधी को दोषी ठहराते हैं, किंतु यदि हमें उसकी परिस्थिति का पूरा ज्ञान और भान हो सके तो हम उसके प्रति क्षमाशील ही हो सकते हैं। गांधीजी ने सत्य को परमेश्वर माना और कहा कि उससे साक्षात्कार करने का साधन अहिंसा है।

संपादकीय

युद्ध महिलाओं और बच्चों के लिए विनाशकारी साबित

अतीत से लेकर अब तक के सभी युद्ध बच्चों और महिलाओं के लिए त्रासद अमानवीय हालात ही पैदा करते रहे हैं। इसमें लड़ाई दो देशों के बीच होती है, मगर इसका बेहद तकलीफदेह खमियाजा बच्चों, बूढ़ों और महिलाओं को उठाना पड़ता है। करीब एक महीने पहले हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में इजराइल की बमबारी से व्यापक तबाही हो चुकी है। अब तक करीब दस हजार लोग मारे जा चुके हैं। सबसे त्रासद है कि इसमें जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या चार हजार से ज्यादा हो चुकी है। ये वे बच्चे थे, जिनकी युद्ध और हिंसा के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं थी, लेकिन उन्हें भी निशाना बनाने में कोई संकोच नहीं दिखाया गया। इसमें कोई दो राय नहीं कि इजराइली सीमा में हमास का अचानक हमला और उसमें चौदह सौ लोगों की हत्या बर्बरता का एक उदाहरण है। इजराइल की ओर से उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी, लेकिन इससे फिलिस्तीन में इतनी बड़ी तादाद में आम लोगों और बच्चों के

मारे जाने को उचित नहीं माना जा सकता। इस मसले पर संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी जारी की कि गाजा में चल रहा युद्ध बच्चों के लिए विनाशकारी साबित हो रहा है। फिर भी युद्ध विराम जैसी किसी मांग पर विचार तक करने की जरूरत नहीं समझी जा रही। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इजराइली हवाई हमलों में आम रिहाइशी इलाकों, अस्पतालों और राहत शिविरों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। ऐसी जगहों पर शरण लेने वाले बच्चों और महिलाओं का मारा जाना बताता है कि न तो अब युद्ध के लिए किसी अंतरराष्ट्रीय कानून की परवाह करने की जरूरत समझी जा रही है और न मानवीयता और उसके नैतिक तकाजों के लिए कोई जगह रह गई है। हमास ने जिस तरह आम लोगों के खिलाफ बर्बरता की, उसका बचाव नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके बाद इजराइल ने जो रुख अख्तियार किया हुआ है, वह उसे हमास की ही श्रेणी में खड़ा कर देता है। उसके हमले में पनाहगाह बने अस्पताल और स्कूल जैसी जगहों को बख्श देने का कोई नैतिक तकाजा नहीं बचा दिखता है। हालत यह है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर जताई गई चिंता और उसके मुताबिक इजराइल को अपनी आक्रामकता पर पुनर्विचार करने की कोई जरूरत महसूस नहीं हो रही। नतीजतन, उसके हमले के सबसे त्रासद शिकार महिलाएं और बच्चे हो रहे हैं। सवाल है कि जिन मासूमों का सामूहिक कत्लेआम किया जा रहा है, युद्ध को शुरू करने में उनकी क्या भूमिका थी? हर युद्ध के दौरान महिलाएं और बच्चे बस शांति का इंतजार कर रहे होते हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि युद्ध में शिकार केवल दोनों पक्षों के मोर्चे पर मौजूद सैनिक नहीं होते। खासकर आधुनिक युद्ध का जो तकनीकी स्वरूप हो गया है, उसमें सैनिक कम और आम लोग ज्यादा मारे जाते हैं। इस दौर में नई तकनीकों और विज्ञान के औजारों के बूते दुश्मन देश में भी चप्पे-चप्पे के बारे में जानकारी निकाल ली जाती है, उसमें चुन कर ठीक निशाने पर हमले किए जा रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

राज्यपाल और विवाद

पंजाब में राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के बीच विवाद में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी राजभवनों को फिर आईना दिखाने वाली है। महाराष्ट्र प्रकरण में सर्वोच्च अदालत द्वारा स्पीकर ही नहीं, राज्यपाल के आचरण पर भी की गई टिप्पणियां ज्यादा पुरानी नहीं हैं। अब पंजाब में मंजूरी के लिए भेजे गए विधेयकों को राज्यपाल द्वारा रोके जाने के खिलाफ याचिका पर प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने टिप्पणी की है कि राज्यपालों को अपनी अंतर्रात्मा में झांकने की जरूरत है। उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि वे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। यह भी कि वे निर्वाचित सरकारों द्वारा विधानसभा में पारित विधेयकों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने से पहले ही निपटाएं। पंजाब सरकार ने 28 अक्तूबर को याचिका दायर की कि राज्यपाल जुलाई में मंजूरी के लिए भेजे गए सात विधेयकों को रोके बैठे हैं, जिससे कामकाज प्रभावित हो रहा है। इनमें से दो विधेयकों पंजाब जीएसटी (संशोधन) विधेयक और इंडियन स्टांप (संशोधन) विधेयक को 1 नवंबर को मंजूरी दी गई। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद नया नहीं है। इसी साल मार्च में विधानसभा सत्र बुलाते समय भी मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। पंजाब विवाद पर अब 10 नवंबर को सुनवाई होगी, पर यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। तेलंगाना और केरल की सरकारें भी राज्यपाल द्वारा विधेयक रोके जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं। शीर्ष अदालत में याचिका के बाद ही तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने लंबित विधेयकों पर कार्रवाई की है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर आरोप है कि वह आठ विधेयकों को रोके हुए हैं, जिनमें से तीन विधेयक तो दो साल से भी पुराने हैं। तमिलनाडु में भी मुख्यमंत्री एम के स्टालिन व राज्यपाल आर एन रवि के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। निर्वाचित राज्य सरकारों और केंद्र द्वारा नियुक्त राज्यपालों के बीच टकराव कई सवाल खड़े करता है, पर उनका जवाब खोजने के बजाय अमूमन उनसे मुंह चुरा लिया जाता है। पंजाब, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु में टकराव के अलावा भी ज्यादातर राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के रिश्ते अच्छे नहीं हैं, जो लोकतंत्र और संविधानसम्मत शासन के लिए शुभ नहीं है। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ के बीच कटुता चरम पर दिखी। झारखंड में भी मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच तकरार की खबरें रहती हैं। दरअसल, जिन राज्यों में केंद्र से इतर राजनीतिक दलों की सरकारें हैं, वहीं ऐसी तकरार बहुत कुछ कह भी देती है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल आमतौर पर उसके अपने दल के चुनाव-पराजित अथवा बुजुर्ग राजनेता या फिर चहेते पूर्व नौकरशाह आदि होते हैं, इसलिए भी वह दूसरे राजनीतिक दल की राज्य सरकार को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। ऐसा नहीं है कि मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों के बीच टकराव अचानक बढ़ गया है। हां, उसका स्वरूप अवश्य बदला दिखता है। अब राज्यपाल अपनी सांविधानिक शक्तियों की सुविधाजनक व्याख्या कर निर्वाचित सरकारों के कामकाज में अड़ंगे लगाते हैं, जबकि अतीत में वे सरकारों को बर्खास्त कर (अपने आकाओं की) मनपसंद सरकार बनाने की हद तक जाते रहे हैं। बहुत शुरू में यह कोशिश नजर आई कि राज्यपाल नियुक्त करते समय संबंधित राज्य सरकार को भी विश्वास में ले लिया जाए, पर वैसा अपवाद स्वरूप ही हुआ।

सेवा भावना से प्रेरित होकर युवाओं ने कच्ची बस्ती में उपहार बांटे

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा सेवा भावना से प्रेरित होकर युवाओं ने कच्ची बस्ती में उपहार बांटे। दिवाली पर जरूरतमंदों की सेवा भावना से प्रेरित होकर सामाजिक कार्यों में सक्रिय संस्था महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा आज स्टेशन रोड स्थित प्रताप नगर की कच्ची बस्ती में रहने वाले 20 परिवारों को मिठाई , दीपक एवम उपहार प्रदान किए गए। संस्था के सदस्य उत्कर्ष पहाड़िया ने बताया की जरूरतमंद परिवारों को मिठाई के पैक बॉक्स, दीपक एवम उपहार पैक करके प्रदान किए गए, प्रतिवर्ष संस्था के युवा सदस्यो द्वारा विभिन्न त्योहारों के अवसर पर नियमित सेवा कार्य किए जाते है। इस दौरान राहुल आशीष झांझरी, अमित पहाड़िया, सचिव विकास पाटनी, एवम अध्यक्ष आनन्द सेठी उपस्थित रहे।

विशाल वर्षा जल संग्रहण हेतु "पदम अमृत कुन्ड" का लोकार्पण 10 नवंबर को

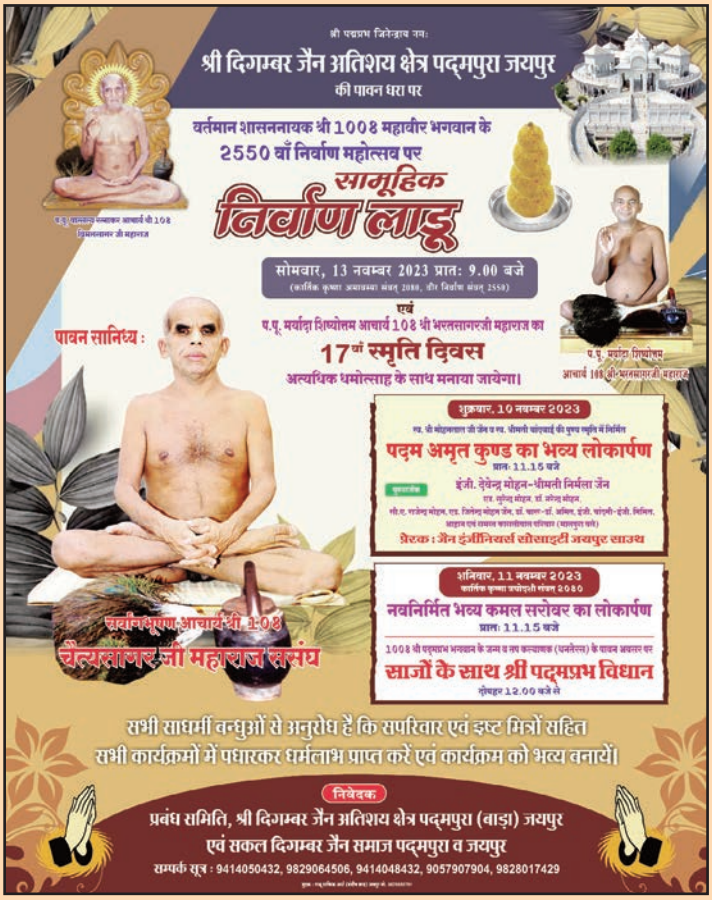

जयपुर. शाबाश इंडिया। पदमपुराजी अतिशय झेत्र परिसर में 10 नवंबर को प्रातः 11.15 बजे आचार्य श्री चैत्यसागरजी महाराज के सानिध्य में विशाल वर्षा जल संग्रहण हेतु "पदम अमृत कुन्ड" का लोकार्पण किया जायेगा। पूज्य पिताश्री मोहनलालजी व माताश्री चांदबाईजी की पुण्य स्मृति में करीब 17 लाख रुपये की लागत से ईजी. देवेन्द्र मोहन- निर्मला के सहयोग से निर्मित विशाल वर्षा जल संग्रहण हेतु "पदम अमृत कुन्ड" जिससे वर्षभर भगवान के अभिषेक व पदमपुरा में विराजित सभी साधु साध्वियों व व्रतियों के आहार हेतु शुद्ध जल उपलब्ध होगा का लोकार्पण, समारोहपूर्वक आयोजित किया गया है। सभी समाज बंधु अवश्य पधारें।

झोटवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक चौधरी का वैशाली नगर कांग्रेस मंडल कमेटी ने किया जोरदार स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में सबसे अधिक मतदाताओं वाले विधानसभा क्षेत्र झोटवाड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक चौधरी का आज वैशाली नगर कांग्रेस मंडल कमेटी की ओर से शानदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। वैशाली नगर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मोहित जैन ने अवगत कराया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रत्याशी अभिषेक चौधरी को साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। ब्लॉक कांग्रेस वैशाली नगर अध्यक्ष जितेंद्र कायथवाल सहित धाबास मण्डल अध्यक्ष खेमचंद मुंडोतिया, वार्ड अध्यक्ष वरूण शर्मा, सुरेश चतुर्वेदी, नीरज नाटानी, जगदीश सामोता, राजेंद्र मण्डावरिया, कानाराम, बाबू चौपड़ा के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिराज अहमद खान, रामनिवास शर्मा, छोगालाल शर्मा, भरत लाखीवाल, पूनम चंद जैन, सुधीर सिंह, शिवकुमार शर्मा, पदम कुमार अग्रवाल, एस आर बडगूजर, हरि शर्मा, सूरजमल पालीवाल, नाथूलाल स्वामी, राजेंद्र सिंह शेखावत, प्रेम कुमावत, विपुल जैन, लालचंद पीटीआई, बाबूलाल चौधरी, प्रियांशु गुप्ता, विवेक वैष्णव, अनिल वर्मा, भगवान सिंह चौधरी, गौरव जैन, दीपक जैन आदि सैंकड़ों कार्यकताओं ने कांग्रेस प्रत्याशी को विधानसभा में पहुंचाने का संकल्प लिया और आने वाले चुनाव में भारी मतों से जीत का रिकार्ड कायम करने हेतु सभी का आह्वान किया।

महावीर पब्लिक विद्यालय में बच्चों ने रामायण के किरदारों को किया जीवंत

जयपुर. शाबाश इंडिया

दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 9/11/23, गुरुवार को महावीर पब्लिक विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं के रंग बिखरे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने अध्यापक गणों के साथ दीप प्रज्वलन करके किया। कक्षा 1 व 2 के छोटे-छोटे मासूम बच्चों ने राम,सीता, लक्ष्मण, हनुमान आदि किरदारों की वेशभूषा पहनकर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में जान डाल दी। बच्चों को देखकर ऐसा लग रहा था कि मानो हम रामायण काल में पहुंच गए हों। कक्षा 3 व 4 के विद्यार्थियों ने रामायण की शिक्षाओं को नाटक के माध्यम से व्यक्त किया व रामायण के पात्रों को मंच पर सजीव कर दिया। छात्र-छात्राओं ने ''श्री राम जानकी'' ''मेरे प्रभु राम आए हैं'' जैसे गानों पर एकल नृत्य करके श्री राम के प्रति सम्मान व्यक्त किया, वहीं कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने ''उत्सव व आनंद'' थीम पर विभिन्न रंगों का प्रयोग कर मंगलमय चिह्नों से युक्त रंगोली बना कर विद्यालय के प्रांगण को रंगों से सुसज्जित कर दिया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिए गए। विद्यालय की शिक्षा परिषद् द्वारा सभी कर्मचारियों को दीपावली की बधाई देते हुए मिठाई वितरित की गई। प्राचार्या ने सभी विद्यार्थियों को दीपावली की बधाई देते हुए आग्रह किया कि वे इको फ्रेंडली दीवाली मनाएं तथा बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने में मदद करें।

और भी है राहें

अगर नीट आइआईटी में चयन ना होने का डर सताये ।

अगर माँ बाप इंजीनियर डॉक्टर ही बनाना चाहे ।

जरा आँखें खोल देखो अपने दायें बायें ..

क्या और भी कुछ बेहतर है राहें ?

बड़े-बड़े होर्डिंग देख सब झांसे में आएं।

स्कूली पढ़ाई छोड़ कोचिंग सब को भाए।

आईआईटी मेडिकल ना मिले तो नासमझ फंदे पे चढ़ जाए ।

अनेकों विकल्प है ऐसे जिनको चुनकर शानदार कैरीअर बनायें ।

मत करों अपना कीमती जीवन समाप्त क्योंकि और भी है राहें ।

डा समीर मेहता

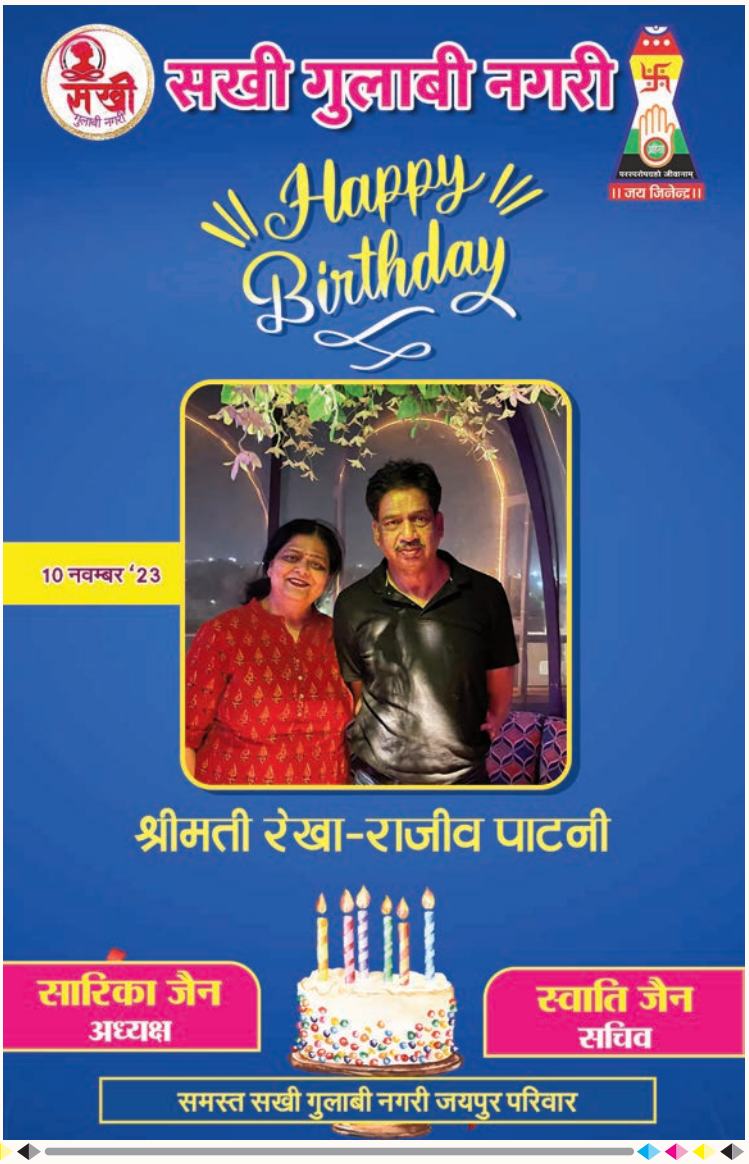

सर्वत्र सौम्य उजाले की झिलमिलाहट ''दीपावली''

श्री राम सुग्रीव के वानर सेना और प्रभु हनुमान के साथ मिल कर रावण की सेना को परास्त करते हैं और श्री राम रावण का वध करके सीता माता को छुड़ा लाते हैं। उस दिन को दशहरे के रूप में मनाया जाता है और जब श्री राम अपने घर अयोध्या लौटते हैं तो पूरे राज्य के लोग उनके आने की खुशी में रात्री के समय दीप जलाते हैं और खुशियाँ मनाते हैं। तब से उस दिन का नाम दीपावली के नाम से जाना जाता है।

दीपावली श्री राम जी के वनवास से लौटने की खुशी में मनाते हैं। मंथरा के गलत विचारों से पीड़ित हो कर भरत की माता कैकई श्री राम को उनके पिता दशरथ से वनवास भेजने के लिए वचनवद्ध कर देती हैं। ऐसे में श्री राम अपने पिता के आदेश का सम्मान करते हुए माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष के वनवास के लिए निकल पड़ते हैं। वहीँ वन में लंकापति रावण माता सीता का छल से अपहरण कर लेता है। श्री राम सुग्रीव के वानर सेना और प्रभु हनुमान के साथ मिल कर रावण की सेना को परास्त करते हैं और श्री राम रावण का वध करके सीता माता को छुड़ा लाते हैं। उस दिन को दशहरे के रूप में मनाया जाता है और जब श्री राम अपने घर अयोध्या लौटते हैं तो पूरे राज्य के लोग उनके आने की खुशी में रात्री के समय दीप जलाते हैं और खुशियाँ मनाते हैं। तब से उस दिन का नाम दीपावली के नाम से जाना जाता है। पूरे देश में यह त्योहार समान रूप से मनाया जाता है और हिंदू, सिख, जैन तथा बौद्ध आदि सभी इसे मनाते हैं। यही कारण है कि दुनिया के अधिकांश देशों में इस दिन हिंदुओं को सरकारी तौर पर दीपावली की छुट्टी मिलती है। नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बर्मा, मारीशस, गयाना, थाईलैंड में तो खैर इस दिन राजकीय अवकाश रहता है और आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सारे कामकाज बंद रहते हैं। लेकिन अमेरिका, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में इस दिन हिंदुओं को छुट्टी मिलती है। साल 2003 से तो हर साल दीपावली के रोज अमेरिका के व्हाइट हाउस को भी रोशनी से सजाने की परंपरा चली आ रही है। आप ने महाभारत की कहानी तो सुनी ही होगी। कौरवों ने, शकुनी मामा के चाल की मदद से शतरंज के खेल में पांडवों का सब कुछ छीन लिया था और यहाँ तक की उन्हें राज्य छोड़ कर 13 वर्ष के लिए वनवास भी जाना पड़ा। इसी कार्तिक अमावस्या को वो 5 पांडव (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव) अपने 13 वर्ष के वनवास से अपने राज्य लौटे थे। उनके लौटने के खुशी में उनके राज्य के लोगों नें दीप जला कर खुशियाँ मनाया। यह भी दीपावली मनाने का एक बहुत ही मुख्य कारण है। राजा विक्रमादित्य प्राचीन भारत के एक महान सम्राट थे। वे एक बहुत ही आदर्श राजा थे और उन्हें उनके उदारता, साहस तथा विद्वानों के संरक्षणों के कारण हमेशा जाना गया है। इसी कार्तिक अमावस्या को उनका राज्याभिषेक हुआ था। इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर (दरबार साहिब के नाम से भी मशहूर) का शिलान्यास चौथे सिख गुरु गुरु राम दास ने इसकी शुरूआत की थी और इसके अलावा 1619 में दीपावली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। उत्सव के पहले दिन, धनतेरस या धनत्रयोदशी, घरों और व्यावसायिक परिसरों को पुनर्निर्मित और सजाया जाता है। धन और समृद्धि की देवी (लक्ष्मी) का स्वागत करने के लिए प्रवेश द्वारों को रंगोली डिजाइनों के सुंदर, पारंपरिक रूपांकनों से रंगीन बनाया गया है । उनके लंबे समय से प्रतीक्षित आगमन को इंगित करने के लिए, पूरे घर में चावल के आटे और सिंदूर के पाउडर के साथ छोटे पैरों के निशान बनाए गए हैं। रात भर दीये जलते रहते हैं। चूंकि इस दिन को शुभ माना जाता है, इसलिए महिलाएं सोना, चांदी या नए बर्तन खरीदती हैं। भारत के कुछ हिस्सों में मवेशियों की भी पूजा की जाती है। इस दिन को आयुर्वेद के देवता या देवताओं के चिकित्सक धन्वंतरि का जन्मदिन भी माना जाता है और इसे धन्वंतरि जयंती के रूप में मनाया जाता है । इस दिन, मृत्यु के देवता भगवान यम की श्रद्धा में पूरी रात दीपक जलाए जाते हैं, और इसलिए इसे यमदीपदान ' भी कहा जाता है । यह असामयिक मृत्यु के भय से छुटकारा पाने के लिए है। जीवन एक अनमोल उपहार है और कृतज्ञता सबसे बड़ा धन है। धनतेरस तब लोभ और अभाव- चेतना आशा और बहुतायत में बदल जाती है। नरक चतुर्दशी के दूसरे दिन सुबह जल्दी उठकर सूर्योदय से पहले स्नान करने की परंपरा है। कहानी यह है कि प्रागज्योतिषपुर (नेपाल के दक्षिण में एक प्रांत) के शासक राक्षस राजा नरकासुर ने भगवान इंद्र को हराया और अदिति (देवी मां) की शानदार बालियां छीन लीं और देवताओं और संतों की सोलह हजार बेटियों को कैद कर लिया। अन्तः पुर नरक चतुर्दशी के एक दिन पहले भगवान कृष्ण ने राक्षस का वध किया था जेल में बंद युवतियों को मुक्त कराया और अदिति के कीमती झुमके भी बरामद किए। महिलाओं ने उसके शरीर पर

सुगंधित तेल की मालिश की और उसके शरीर की गंदगी को धोने के लिए उसे स्नान कराया। इसलिए, सुबह जल्दी स्नान करने की यह परंपरा नकारात्मक शक्तियों पर ईश्वर की जीत का प्रतीक है। यह दिन अच्छाई से भरे एक नए भविष्य की शुरूआत का प्रतिनिधित्व करता है। उत्सव का सबसे महत्वपूर्ण दिन तीसरा दिन है-लक्ष्मी पूजा । यह वह दिन है जब सूर्य अपने दूसरे चरण में प्रवेश करता है। सबसे काली रात होने के बावजूद इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। रात का अभेद्य अंधेरा धीरे-धीरे गायब हो जाता है क्योंकि छोटे-छोटे टिमटिमाते दीपक पूरे शहरों को रोशन कर देते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर कृपा करती हैं और हमें बहुतायत और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। शाम के समय लोग लक्ष्मी पूजा करते हैं और सभी को घर की बनी मिठाइयां बांटते हैं। कठोपनिषद से इस दिवाली के दिन के बारे में एक दिलचस्प कहानी नचिकेता नामक एक छोटे लड़के की है, जो मानता था कि मृत्यु के देवता यम अमावस्या की अंधेरी रात के समान काले थे। लेकिन, जब वे यम से व्यक्तिगत रूप से मिले, तो वे भगवान के शांत चेहरे और गरिमापूर्ण कद को देखकर हैरान रह गए। यम ने नचिकेता को समझाया कि मृत्यु के अंधकार से गुजरने के बाद ही मनुष्य उच्चतम ज्ञान का प्रकाश देख सकता है; तभी उसकी आत्मा अपने शरीर के बंधन से छूटकर भगवान के साथ एक हो सकती है। यह तब था जब नचिकेता को सांसारिक जीवन के महत्व और मृत्यु के महत्व का एहसास हुआ। अपने सभी संदेहों को दूर करने के साथ, उन्होंने पूरे दिल से दिवाली समारोह में भाग लिया। भारतीय उपभोक्ता का असली बाजार दरअसल दीपावली है। बाकी सारे त्योहारों का धार्मिक महत्व है पर दीपावली का एक व्यावसायिक महत्व है। क्या यह अजीब नहीं है कि पिछले साल ही अकेले दीवाली में दस हजार करोड़ की तो मिठाई बिकी तथा हजार करोड़ से ऊपर की कारें। सोना और चांदी की बिक्री भी इसी सीजन में सबसे ज्यादा होती है और कपड़ों की भी। इस मौके पर उपहार और भेंटें देने के कारण भी तमाम सारे गिफ्ट आइटमों की बिक्री भी बढ़ जाती है। यानी अकेले दीपावली का बाजार अपने देश में करीब एक लाख करोड़ का है। ऐसा त्योहार क्यों न हर एक के लिए खुशियां और सौगात लेकर आए। इस दिवाली पर अपने जीवन की विशालता और शाश्वत प्रकृति को याद करें और जीवन में जो कुछ भी आपको मिला है, उसके लिए कृतज्ञता की गहरी भावना महसूस करें। अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर मृत्यु से अमरता की ओर ले जाना ही प्रकाश के पर्व की असली सार्थकता होगी। दीप जलाओ, सर्वत्र प्रकाश फैलाओ, और स्वयं को भी याद दिलाओ कि तुम भी एक सुंदर दीपक हो, यहाँ आनंद और ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए। आपके पास आने वाले हर व्यक्ति को आनंद के प्रकाश का अनुभव करना चाहिए, किसी को भी दुख नहीं होना चाहिए। यही प्रार्थना करनी चाहिए।

-अशोक शर्मा

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय में दीपावली पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय में दीपावली पर्व एवं बाल दिवस के उपलक्ष्य में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। दीपोत्सव को मनाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए भगवान महावीर एवं भगवान श्री राम के जीवन प्रसंगो पर आधारित लघु नृत्य नाटिका के माध्यम से इसका महत्व स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी एवं साथ ही बाल दिवस के उपलक्ष्य पर बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। रेनू गोस्वामी, आचार्या के अनुसार विद्यालय के व्याख्याता डॉ.डी.के.सिंह ने विद्यार्थियों को दीपावली की बधाई दी एवं उन्हें भविष्य में चाचा नेहरू के सिद्धांतों एवं उनके पद चिन्ह पर चलने के लिए प्रेरित किया।

आचार्य 108 विद्या सागर जी महाराज के चरण वंदन के लिए किया अकेले 650 किलोमीटर का पदविहार

अदभुत अपूर्व अविस्मरणीय एकल पदयात्रा

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

कोटा, भोपाल। भारत की पावन वसुंधरा पर समय समय पर अनेकानेक संतो ऋषि मुनि महात्माओं ने जन्म लिया है । हां जी धरती बीछेना है आसमान ओढ़ना है अंजुली भर लेते है सागर भर देते है संयम तप त्याग और साधना की साक्षात मूर्ति विष को अमृत और पतित को पावन कर देते है जहा त्याग तपस्या संयम शील की बहती निर्मल धारा वो विद्या गुरु हमारा ऐसे संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्या सागर जी महाराज ससंघ के दर्शनार्थ देव शास्त्र गुरु के परम भक्त स्वर्गीय बाबूलाल जैन संस्कार वान श्रीमति माया देवी के सुयोग्य सुपुत्र अजय जैन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से डोंगरगड़, छतीसगढ की 550 किलोमीटर की पदयात्रा की। दृढ़ इच्छा शक्ति, प्रगाढ़ आत्म विश्वास, श्रद्धा और समर्पण से

दुनिया में किसी भी कार्य में सफलता हासिल की जा सकती है। यह सार्वभौमिक सत्य है इसको नकारा नहीं जा सकता। पारस जैन पार्श्वमणि कोटा को जानकारी देते हुए अजय जैन ने बताया कि सन 2021 में भोपाल से तिलवारा घाट जबलपुर लगभग 350 किलोमीटर एवम सन 2022 में भोपाल से शिरपुर महाराष्ट्र 650 की पदयात्रा संपन्न कर चुके है। भाई अजय जैन आचार्य श्रीविद्या सागर जी महाराज का फोटो हाथ में लिये केसरिया परिधान में धोती दुप्पटा पहने हुवे गुरुदेव के चरण वंदन के लिये पदविहार करते है । पारस जैन पार्श्वमणि ने जब पूछा कि इतने लंबे रास्ते में अकेले पद विहार में व्यवस्था केसे होती है आपके आगे पीछे कोई नही बस अकेले चलना है तो अजय जैन ने बताया कि यह सब गुरुदेव का मंगलमय आशीर्वाद से आगे से आगे व्यवस्था हो जाती है एक दिन में लगभग 30 से 35 किलोमीटर की पद यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो जाती है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान महावीर का 2550वां निर्वाण महोत्सव 13 नवंबर को मनाया जाएगा

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा, बुन्देलखण्ड ।सुप्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जी, नैनागिरि जी, द्रोणगिरि जी, अहार जी सहित जैन तीर्थ क्षेत्रों में जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2550 वां निर्वाण महोत्सव 13 नवंबर को विविध कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। कुण्डलपुर कमेटी के जयकुमार जलज ने बताया कि इस अवसर पर कुण्डलपुर में प्रातः भक्तांमर महामंडल विधान, पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, शांतिधारा ,पूजन ,विधान होगा और अत्यंत भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। सायंकाल भक्तांमर दीपअर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की महाआरती होगी। निर्वाण महोत्सव की पूर्व संध्या पर 12 नवंबर को सायंकाल बड़े बाबा मंदिर का कृत्रिम मॉडल वर्धमान सरोवर में प्रवाहित किया जाएगा एवं दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। नैनागिरि कमेटी के मंत्री राजेश रागी व देवेन्द्र लुहारी तथा द्रोणगिरि कमेटी के प्रचार मंत्री शुभम शास्त्री, अहार जी कमेटी के मंत्री राजकुमार ने बताया कि हमारे सिद्धक्षेत्र के गिरिराज पर स्थित चौबीसी जिनालय में प्रातः सामूहिक अभिषेक पूजन शांतिधारा तथा महामस्तकाभिषेक किया जाएगा और 2550 लाडू समर्पित किए जाएंगे , साथ ही 2550 दीपों से महाआरती की जाएगी , इस मौके पर गांव गांव से आये भव्य लाडूओं की प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा और इस प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी लाडुओं को विशेष चयनित पत्रों के माध्यम से समर्पित किया जाएगा । सिद्धक्षेत्र कमेटी ने सभी भक्त श्रद्धालुओं से पधारकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

ढोली थारो ढोल बाजे...संगिनी मेट्रो की सदस्याओं ने खनकाए डांडिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव एवं समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की संस्था संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो के तत्वावधान में डांडिया थीम बेस प्रोग्राम रंगीलो म्हारो ढोलना आयोजित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा ने बताया कि बालीवुड स्पाइस रेस्तरां में आयोजित इस संगीतमय आयोजन में अध्यक्ष अम्बिका सेठी एवं सचिव रेखा पाटनी के नेतृत्व में तीन बार णमोकार महामंत्री के सामूहिक उच्चारण से मंगलाचरण किया गया। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा ने स्वागत उदबोधन दिया। कार्यक्रम में राजस्थानी सिंगर बन्नी फेम मिस कोमल कवर अमरावती अतिथि के रूप में शामिल हुई। उन्होंने राजस्थानी सोंग्स-मिसरी सी मीठी बाता थारी मन है प्रेम को झरनों सा..., इन लहरिये रा नौ सो रुपया रोकडा सा....एवं आप बडी होशियार बन्नी... की मनमोहक प्रस्तुतियों देकर सभी का दिल जीत लिया। सभी सदस्याओं ने डांडिया की रंग बिरंगी ड्रेसो में ढोली थारों ढोल बाजे..., म्हारी तो चुनरिया उड उड जाये...., आज गरबे की रात है....बन्नी थारो चांद सरी सो मुखड़ो कोई नजर नहीं लग जाए....., ढोलिरा ढोल रे यू तु जमके तो बजाय...पर डांडिया खनकाऐं। जैन सोश्यल ग्रुप मैट्रो के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा, अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया एवं पूर्व अध्यक्ष दीपक गोधा ने अतिथि के रूप में गौरवमयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम संयोजक नीतू जैन मुल्तान, पूनम चांदवाड, निशा बड़जात्या एवं शालू जैन ने अतिथियों के स्वागत के बाद मनोरंजक गेम्स खिलाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। कार्यक्रम में मेल ड्रेस अप में सुनीता जैन हल्दैनिया, फीमेल ड्रेस अप में शुभिका जैन, बेस्ट डांसर में निशा गंगवाल को पुरस्कृत किया गया। गेम्स में मोना चांदवाड़ प्रथम तथा सविता जैन द्वितीय रहीं। लक्की ड्रा में लीनू अजमेरा एवं शर्मिला जैन और हाऊजी में विजेता सभी सदस्याओ को पुरस्कार दिए गए। प्रोग्राम में पूर्व अध्यक्ष मैना गंगवाल, उपाध्यक्ष नीतू जैन मुल्तान, संयुक्त सचिव नीतू जैन, कोषाध्यक्ष दीपा गोधा सहित मेट्रो संगिनी की कार्यकारिणी और सभी सद्स्याओ ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया। सचिव रेखा पाटनी ने आभार व धन्यवाद दिया।

जैन समाज का सांकेतिक अनशन रविवार, 12 नवंबर को

श्री गिरनार तीर्थ क्षेत्र की रक्षा के लिये सकल जैन समाज करेगा अनशन, मुनिराज, आर्यिका संघ भी करेंगे अनशन का समर्थन

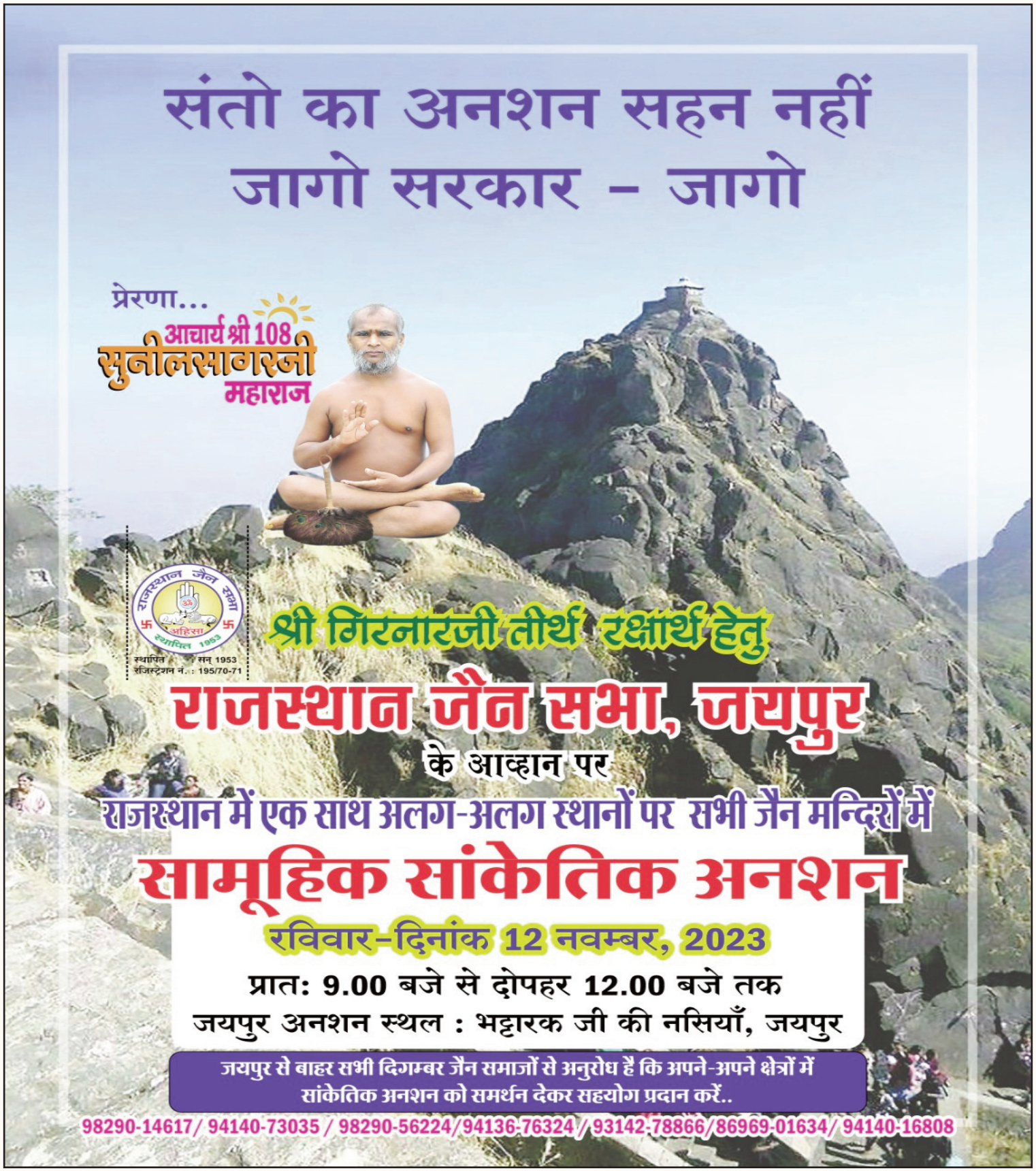

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में सकल जैन समाज द्वारा दीपावली के दिन रविवार, 12 नवंबर को सामूहिक अनशन किया जायेगा। सभा के महामंत्री मनीष बेद ने बताया कि गुजरात राज्य के जूनागढ़ में स्थित अतिशय क्षेत्र गिरनार की रक्षा के लिए जैन समाज द्वारा 12 नवंबर को प्रातः 9 से 12बजे तक सांकेतिक अनशन भट्टारक जी की नाशिया नारायण सिंह सर्किल, जयपुर पर किया जायेगा। यह अनशन राजस्थान के अलग अलग शहरों में भी उसी दिन आयोजित होगा। सामूहिक अनशन द्वारा सरकार को ज्ञापन देकर अपनी मांगों पर सरकार से कार्यवाही की मांग करेंगे। और आवश्यकता पड़ने पर अनिश्चित काल के लिए आंदोलन किया जायेगा।

सोजतिया पर धनतेरस की तैयारी पूरी: भरपूर एडवांस बुकिंग

उदयपुर. शाबाश इंडिया। धनतेरस पर रीजनेबल तथा फिक्स्ड मेकिंग चार्जेज पर मेवाडवासियों को नायाब डिजाइनर ज्वेलरी उपलब्ध कराने की पूरी तैयारी कर ली है। ऐसी मान्यता है कि धनतेरस पर सोने- चांदी की खरीद करना मां लक्ष्मी को साक्षात घर पर ले जाने के समान है। फाउंडर प्रो. रणजीत सिंह सोजतिया ने बताया कि पिछले दिनों सोने के भाव में कमी आई से ग्राहकों में खूब उत्साह है ऐसे में उन्होंने धनतेरस की भरपूर बुकिंग कराई है। निदेशक रीना सोजतिया ने बताया कि सोजतिया ब्रांड के शुद्ध 999 चांदी के सिक्के सभी वजन में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि शो रूम में हॉलमार्क युक्त पायल, बर्तन तथा मूर्तियों का एक बेहतरीन कलेक्शन ग्राहक देख सकेंगे। भारत के विश्वसनीय रिटेल ज्वेलर पुरस्कार से सम्मानित सोजतिया ज्वेलर्स के निदेशक डॉ. ध्रुव सोजतिया ने बताया कि इस वर्ष दीपावली पर लोगों का उत्साह देखते ही बनता है। सोजतिया ज्वेलर्स पर 916 हॉलमार्क ज्वेलरी एंटीक, कोलकाता, कुंदन मीना की एक से एक लेटेस्ट डिजाइन ग्राहकों के लिए चुन चुन कर सोजतिया के वर्कशाप में निर्मित की गई है साथ ही भारत के कई बड़े शहरों से ज्वेलरी खरीदी गई है। नेहल सोजतिया ने बताया अभी हाल में जादू पल की जड़ाऊ पोलकी का सिरमौर कलेक्शन लॉन्च किया गया है जिसमें माथा पट्टी, बाजू, कांकण, पोंच, रवा तुसी, चांद बाली, हथफूल आदि की शानदार कारीगरी ग्राहकों के लिए तैयार की गई है। उन्होंने सभी मेवाड़वासियों को तहे दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी। बता दें धनतेरस पर्व पर स्टोर ग्राहकों की सेवा में सुबह 8 बजे से देर रात्रि तक खुला रहेगा।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

पीएनबी बैंक शाखा नोरंगाबाद (श्री महावीरजी) ने डिजिटल प्रोडक्ट व डिजिटल लैंडिंग की जानकारी दी

चंद्रेश कुमार जैन.शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। स्थानीय पीएनबी बैंक शाखा नोरंगाबाद (श्री महावीरजी) डिजिटल प्रोडक्ट व डिजिटल लैंडिंग की जानकारी दी गई। पीएनबी बैंक ने कुछ अलग सोच के साथ शाखा में सीनियर सिटीजन पेंशनर व अच्छे ग्राहकों को बुलाकर बैंक की योजनाओं, डिजिटल प्रोडक्ट्स, डिजिटल लेंडिंग , सामाजिक सुरक्षा व ढठइ मेटलाइफ के बारे में समझाया। पीएनबी बैंक शाखा प्रबंधक धीर सिंह मीणा व उप शाखा प्रमुख सी एल मीणा ने बताया कि डिजिटल प्रोडक्ट्स के उपयोग व इसमें बरती जाने वाली सावधानी की जानकारी देते हुए दीपावली की शुभ कामनाएं दी।

आचार्य गुरुदेव द्वारा हमें मोक्ष मार्ग दिया, गुरु ही शिष्य की आत्मा को सुधारते हैं: मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। विद्यासागर वाटिका में श्रुत संवेगी मुनीश्री आदित्य सागर महाराज, मुनिश्री अप्रमित सागर जी महाराज एवं मुनि श्री सहज सागर महाराज की पिछी परिवर्तन समारोह में उत्साह पूर्वक के साथ किया गया। जयकारा से सारा वातावरण गूंज उठा।श्रेष्ठी परिवार जनों द्वारा मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज, मुनि श्री अप्रमित सागर जी महाराज, एवं मुनिश्री सहज सागरजी महाराज को नई पिछी प्रदान कर अनुमोदन की गई। शिष्य आनंदित एवं उत्साहित हुए। भक्तगण भक्ति गीतों में झूम उठे।इस दृश्य को हजारों की संख्या में आए महिला, पुरुष, एवं युवा देखकर भाव विभोर हुए। इसी क्रम में मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज की पुरानी पिछी अमित शाह, मुनिश्री अप्रमित सागर महाराज की पुरानी पिछी विपिन सेठी एवं मुनिश्री सहज सागर जी महाराज की पुरानी पिछी निरंजन शाह को लेने का सौभाग्य मिला। परिवार जन पुरानी पिछी को प्राप्त कर आनंदित हुए। खुशी से नाचते हुए मुनि श्री के उपकार को इस तरह बयां किया। इस अवसर पर मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अप्रमित सागर जी महाराज की 12वी दीक्षा जयंती गुरु-पूजन नाचते-गाते भक्ति के साथ अर्ग समर्पण किये। इस अवसर पर श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर महाराज द्वारा लिखित पुस्तकों का पुणयार्जक परिवारजनों द्वारा विमोचन किया गया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट आरके कॉलोनी की ओर से महेंद्र सेठी को समाज गौरव से विभूषित कर मोमेंटो तो देकर सम्मानित किया। इस दौरान मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ने विशाल समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य गुरुदेव श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के हम पर उपकार कर मोक्ष मार्ग की ओर ले जाने का मार्ग दिया। उनके वात्सल्य हमारे ऊपर सदैव रहा।किस्मत को बनाए रखना अंदर की कला है।जो सीखा है, जो लिखा है, जो शब्द, चिंतन, जीवन हमें उन्होंने दिया है। गुरु शिष्य की आत्मा को सुधारते हैं, हर सांस में गुरु होते हैं। मुनिश्री ने कहा कि भीलवाड़ा में हुए चातुर्मास में मन, वचन, काय से किसी का दिल दुखाया हो इच्छामि दुखणम।गुरुदेव को नमोस्तु करते हुए मुनीपथ द्वारा निर्वाण मार्ग प्रशस्त हो ऐसी मंगल भावना भाई। ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गोधा ने चातुर्मास के दौरान मन, वचन, काय से हमसे कोई गलती हुई हो उसके लिए मुनीससंघ से क्षमा याचना की। आपका उपकार को भीलवाड़ा का समाज कभी नहीं भूल पाएगा। समारोह का संचालन महेंद्र सेठी एवं सुरेश गदिया ने किया।

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी की दुबई यात्रा 27 नवंबर से

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी के तत्वावधान में एक सात दिवसीय विदेश यात्रा दिनांक 27 नवम्बर 23 को जयपुर से दुबई के लिए जा रही है। उसकी तैयारियों के लिए एक बैठक भट्टारक जी की नशियां में रखी गयी जिसमें सभी जाने वाले 33 यात्री गण उपस्थित हुए सभी ने हाई टी के साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। सभी की शंकाओं का समाधान यात्रा संयोजक व ट्यूर आपरेटर के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। सभी यात्रियों को ट्यूर के दौरान जैन भोजन के साथ दिन में भोजन करवाने की व्यवस्था रहेगी।प्रातः कमरे मे चाय , नाश्ता होटल में फिर लंच व दोपहर की चाय के बाद डिनर की व्यवस्था रहेगी। यहां से जाने व 4 दिसम्बर 23 तक सुबह वापस आने तक दुबई में इर्टनरी अनुसार दर्शनीय स्थानों को देखने व उनके टिकट दुबई विजा के व्यभार के साथ वहां के परिवहन व अन्य सभी प्रकार का व्य ट्यूर आपरेटर द्वारा ही वहन किया जायेगा। ट्यूर मेनेजर जयपुर से जयपुर तक पूरे समय हमारे साथ रहेगा मीटिंग के बाद सभी ने सामूहिक भोजन का आंनद उठाया। विदेश यात्रा में जाने के पूर्व दिनांक 26 नवम्बर 23 को प्रातः 11बजे भट्टारक जी की नशियां में सामुहिक णमोकार का जाप किया जायेगा।

धनतेरस मनाने के पीछे क्या मान्यताएं है ?

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरि, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है।

धनतेरस मनाने के पीछे कई लोक मान्यताएं हैं। कहते हैं कि इसे दिन भगवान धन्वंतरि का समुद्र मंथन के उपरांत हुआ था। भगवान धन्वंतरि के हाथ में अमृत कलश और आयुर्वेद का ग्रंथ था।क्योंकि भगवान धन्वंतरि कलश लेकर अवतरित हुए थे इसीलिए इस दिन लोग सोने चांदी के बने सिक्के, गहने,बर्तन इत्यादि खरीदते हैं। भगवान धन्वंतरि देवताओं के चिकित्सक थे। मृत्युलोक में इनके द्वारा आज के दिन आयुर्वेद को ये लेकर आने का उल्लेख शास्त्रों में वर्णित है। धनतेरस के दिन कुछ की मान्यताएं हैं की इसी दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि के आतंक से देवताओं की रक्षा की थी। राजा बलि से दान मांगते समय शुक्राचार्य ने अवरोध उत्पन्न किया था, इसी कारण शुक्राचार्य की एक आंख भगवान विष्णु ने फोड़ दी थी। इस दिन देवताओं को राजा बलि के आतंक से मुक्ति मिली थी इसलिए धनतेरस मनाया जाता है। धनतेरस के दिन किसी की अकाल मृत्यु न हो इसीलिए आंगन और मुख्य द्वार पर दीप जलाया जाता है। धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरि, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसुः

अर्थात प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है। इसलिए विष्णु अवतार की पूजा का विधान है।

धनतेरस मनाने के पीछे क्या कारण है?

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं' यह त्यौहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है 'इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है' भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है 'यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया, इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए मान्यता यह है कि भगवान धन्वंतरि विष्णु के अंश अवतार हैं। धनतेरस पर प्रमुख रूप से भगवान धन्वंतरि का पूजन किया जाता है, क्योंकि वह आयुर्वेद के देवता हैं, जिन्होंने मानव जाति की भलाई हेतु आयुर्वेद का ज्ञान दिया और बीमारियों तथा कष्टों से छुटकारा पाने में मानव समाज की मदद की । जैन धर्म में धनतेरस को 'धन्य तेरस' या 'ध्यान तेरस' भी कहते हैं। भगवान महावीर इस दिन तीसरे और चौथे ध्यान में जाने के लिये योग निरोध के लिये चले गये थे। तीन दिन के ध्यान के बाद योग निरोध करते हुये दीपावली के दिन निर्वाण को प्राप्त हुये तभी से यह दिन धन्य तेरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। धन्वंतरि के जन्म दिवस को भारत सरकार के द्वारा 2016 से राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया गया है। इसके अलावा इस त्योहार को मनाने के पीछे कई मान्यताएं व कथाएं प्रचलित हैं। मान्यताएं - धनतेरस के दिन ही समुद्र-मंथन से भगवान धन्वंतरि का अवतरण हुआ था। भगवान धन्वंतरि के एक हाथ में अमृत से भरा कलश और दूसरे हाथ में आयुर्विज्ञान का पवित्र ग्रंथ था। उन्हें देवताओं का वैद्य माना जाता है। भगवान धन्वंतरि चूंकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। कहीं कहीं लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें तेरह गुणा वृद्धि होती है। इस अवसर पर लोग धनिया के बीज खरीद कर भी घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं। अन्य प्रथाएं - धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है; जिसके सम्भव न हो पाने पर लोग चांदी के बने बर्तन खरीदते हैं। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में संतोष रूपी धन का वास होता है। संतोष को सबसे बड़ा धन कहा गया है। जिसके पास संतोष है वह स्वस्थ है सुखी है और वही सबसे धनवान है। भगवान धन्वंतरि जो चिकित्सा के देवता भी हैं उनसे स्वास्थ और सेहत की कामना के लिए संतोष रूपी धन से बड़ा कोई धन नहीं है। लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी, गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हैं। इस शुभ दिन पर कुछ लोग अच्छी किस्मत पाने के लिए सोने, प्लैटिनम या चांदी के आभूषण, सिक्कों या बर्तनों को भी खरीदते हैं। भगवान धन्वंतरि देवताओं के चिकित्सक हैं और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन महत्वपूर्ण होता है। प्रचलित लोककथाएं- धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। इस

प्रथा के पीछे एक लोक कथा है, इस कथा के अनुसार एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया- क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें किसी पर दया भी आती है? यमदूत संकोच में पड़कर बोले- नहीं महाराज! हम तो आपकी आज्ञा का पालन करते हैं। हमें दया-भाव से क्या प्रयोजन? यमराज ने सोचा कि शायद ये संकोचवश ऐसा कह रहे हैं। अतः उन्हें निर्भय करते हुए वे बोले- संकोच मत करो। यदि कभी कहीं तुम्हारा मन पसीजा हो तो निडर होकर कहो। तब यमदूतों ने डरते-डरते बताया- सचमुच! एक ऐसी ही घटना घटी थी महाराज, जब हमारा हृदय काँप उठा था। ऐसी क्या घटना घटी थी? - उत्सुकतावश यमराज ने पूछा। दूतों ने कहा- महाराज! हंस नाम का राजा एक दिन शिकार के लिए गया। वह जंगल में अपने साथियों से बिछड़कर भटक गया और दूसरे राज्य की सीमा में चला गया। फिर? वहाँ के राजा हेमा ने राजा हंस का बड़ा सत्कार किया। उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया था। ज्योतिषियों ने नक्षत्र गणना करके बताया कि यह बालक विवाह के चार दिन बाद मर जाएगा। राजा के आदेश से उस बालक को यमुना के तट पर एक गुफा में ब्रह्मचारी के रूप में रखा गया। उस तक स्त्रियों की छाया भी न पहुँचने दी गई। किन्तु विधि का विधान तो अडिग होता है। समय बीतता रहा। संयोग से एक दिन राजा हंस की युवा बेटी यमुना के तट पर आईं और उसने उस ब्रह्मचारी बालक से गंधर्व विवाह कर लिया। चौथा दिन आया और राजकुमार मृत्यु को प्राप्त हुआ। उस नवपरिणीता का करुण-विलाप सुनकर हमारा हृदय भी काँप गया। ऐसी सुंदर जोड़ी हमने कभी नहीं देखी थी। वे कामदेव तथा रति से भी कम नहीं थे। उस युवक को कालग्रस्त करते समय हमारे भी अश्रु नहीं थम पाए थे। यमराज ने द्रवित होकर कहा- क्या किया जाए? विधि के विधान की मयार्दा हेतु हमें ऐसा अप्रिय कार्य करना पड़ा। महाराज! -एकाएक एक दूत ने पूछा- क्या अकालमृत्यु से बचने का कोई उपाय नहीं है? यमराज ने अकाल मृत्यु से बचने का उपाय बताते हुए कहा- धनतेरस के पूजन एवं दीपदान को विधिपूर्वक करने से अकाल मृत्यु से छुटकारा मिलता है। जिस घर में यह पूजन होता है, वहाँ अकाल मृत्यु का भय पास भी नहीं फटकता। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आँगन में यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं। इस दिन कुछ लोग यम देवता के नाम पर व्रत भी रखते हैं। इसी घटना से धनतेरस के दिन धन्वंतरि पूजन सहित दीपदान की प्रथा का प्रचलन शुरू हुआ। धनतेरस से जुड़ी एक अन्य कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरू शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गये। शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं। वो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आये हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गयी तीन पग भूमि, दान करने के लिए वह कमण्डल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमण्डल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गये। इससे कमण्डल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। भगवान वामन, शुक्राचार्य की चाल को समझ गये। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गयी। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आये। दानवीर बलि ने संकल्प लेकर तीन पग भूमि दान कर दिया। इसके बाद भगवान वामन ने अपने एक पग से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया। बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठे। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गयी। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। धनतेरस के दिन दीप जलाकर भगवान धन्वन्तरि की पूजा करते हैं और भगवान धन्वन्तरि से स्वास्थ और सेहतमंद बनाये रखने की प्रार्थना की जाती है। धनतेरस को भगवान धन्वंतरि के साथ मां लक्ष्मी की पूजा भी की जाती है। मेरी तरफ से सभी लोगों को शुभ धनतेरस ।। यह शुभ धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि आप सभी को अच्छा स्वास्थ्य तथा सेहत रूपी धन प्रदान करें।

मेरी प्रार्थना मानव कल्याण हेतु

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः,
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः।।

अर्थ - सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बनें और किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े। आयुर्वेद अपनाओ, स्वस्थ हो जाओ।

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान

तीन दिवसीय पहल लाइफ स्टाइल एग्जिबिशन में वेंडर्स के प्रोडेक्ट और स्टॉल्स के प्रस्तुतिकरण को खूब पसंद किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पहल लाइफ स्टाइल एग्जिबिशन मानसरोवर के सेक्टर 10 के सामुदायिक केंद्र में लगाई गई । आयोजन संयोजक नीलू गोधा और राजेश चौधरी ने बताया कि इसमे गृह सज्जा का सामान, बेडशीट , लेडीज, जेन्ट्स और बच्चों की ड्रेसेज, दिपावली सजावटी सामान, ऑनलाइन बिकने वाले प्रोडक्ट, फूड आइटम, साड़ी, सलवार सूट, विंटर कलेक्शन, बेकरी उत्पाद, सोलर एनर्जी और स्वास्थ से सम्बन्धित आइटम की स्टॉल्स लगाई गई है । प्रचार प्रभारी राजकुमार बैद के अनुसार इतने सारे आइटम खरीददार को एक ही छत के नीचे मिले इस खातिर लोगों ने दीपावली के अवसर पर दिल खोल कर खरीद की, जिससे स्टॉल लगाने वाले लघु उद्योग, व्यापारियों और महिला उद्यमियों को बढ़ावा मिला। प्रदर्शनी संरक्षक राकेश गोधा ने एग्जीबिशन में नीलू गोधा, राजेश विनीता चौधरी, पवन सेठी, प्राची जैन, रिया गोधा, हर्षिता चौधरी के सहयोग की अनुमोदना की।

शाबाश इंडिया

दीपावली- विशेषांक

दैनिक शाबाश इंडिया समाचार पत्र के 12 व 13 नवम्बर को प्रकाशित होने वाले दीपावली विशेषांक में अपने विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए सम्पर्क करें।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com